



कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लोक निर्माण विभाग, कालसी



eepmgsykalsi@rediffmail.com



01360-275015

पत्रांक: 656 / 22सी

दिनांक: 18/06/2019

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी
चकराता वन प्रभाग
चकराता।

विषय:-

जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत कथान से डिरनाड मोटर मार्ग में निर्माण हेतु 3.08 हे० वनभूमि (FP/UK/ROAD/34380/2018) का गैर वानिकी कार्यों हेतु ग्राम्य विकास विभाग को पत्यावर्तन प्रस्।

सन्दर्भ:-

आपका पत्रांक 3848/12-1 दिनांक, चकराता 02-अप्रैल 2019।

महोदय,

उपरोक्त वनभूमि प्रस्ताव के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जो लो०नि०वि० चकराता द्वारा वनभूमि प्रस्ताव तैयार किया गया है एल.वी.आर. हेतु कथियान से डिरनाड (पुरटाड़) सम्पर्क मार्ग हेतु 8 कि.मी. के लिए तैयार किया गया है। लो०नि०वि० का समरेखण डिरनाड-पुरटाड़ (सम्पर्क मार्ग) हेतु 8 कि.मी. के लिए स्वीकृत है, जबकि वर्तमान में पुरटाड़ गांव को पी.एम.जी.एस.वाई. के तहत मैन्ड्रथ-बिरनाड-कथियान मोटर मार्ग के कि.मी. 5 से पुरटाड़ को जोड़ा गया लेकिन आतिथि तक ग्राम डिरनाड असंयोजित है जिसकी जनसंख्या 387 है तथा पी०एम०जी०एस०वाई० योजना के तहत जिन ग्रामों की जनसंख्या 250 से अधिक है उन्हें संयोजित करना अनिवार्य है तथा वर्तमान में मोटर मार्ग हेतु वनभूमि प्रस्ताव गठित किया गया है। पूर्व में लो०नि०वि० द्वारा सम्पर्क मार्ग का प्रस्ताव गठित किया गया था उसकी आतिथि तक विधिवत् स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। जबकि एन०पी०वी० भी जमा है किन्तु विधिवत् स्वीकृति न होने के कारण डिरनाड गांव जोड़ने हेतु पी०एम०जी०एस०वाई० के अन्तर्गत वनभूमि प्रस्ताव गठित किया गया है उसकी स्वीकृति भारत सरकार द्वारा 7.50 कि.मी. लम्बाई में प्राप्त है।

अतः डिरनाड गांव असंयोजित है जिसे जोड़ने हेतु वनभूमि प्रस्ताव गठित किया गया है जो कि आवश्यक है। अतः आपसे अनुरोध है कि वनभूमि प्रस्ताव को स्वीकृत करने हेतु प्रकरण अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

अधिशासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लो०नि०वि०, कालसी

दिनांक: 18/06/2019

पत्रांक: / 22सी

प्रतिलिपि:- अधीक्षण अभियन्ता पी०एम०जी०एस०वाई० वृत्त, लो०नि०वि० मसूरी को सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि:- सहायक अभियन्ता पी०एम०जी०एस०वाई०, नि०ख०, लो०नि०वि० कालसी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

अधिशासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लो०नि०वि०, कालसी